राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

संख्या–199/2026

<u>प्रेस–विज्ञप्ति</u>

राज्यपाल ने एलएनएमयू में पीएच०डी० सीटों एवं शोध पर्यवेक्षण क्षमता का ऑडिट कराने का दिया निदेश

पटना 28 सितम्बर, 2026 :– माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ बैठक कर पीएच०डी० एडमिशन टेस्ट–24 के तहत विश्वविद्यालय द्वारा घोषित पीएच०डी० सीटों और विभिन्न विषयों में उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों की क्षमता की समीक्षा की। बैठक में कुलपति प्रो० संजय कुमार चौधरी ने पीएच०डी० की सीटों की संख्या बढ़ाए जाने के कारणों की जानकारी दी।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में पीएच०डी० की सीटों की संख्या उपलब्ध योग्य शोध पर्यवेक्षकों और उनके द्वारा शोधार्थियों को मार्गदर्शन देने की निर्धारित क्षमता के अनुरूप होनी चाहिए। सीटों की संख्या तय करते समय यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि संबंधित शोध पर्यवेक्षकों के अधीन पहले से कितने शोधार्थी काम कर रहे हैं और निर्धारित मानकों के अनुसार वे कितने और शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पीएच०डी० की सीटें तय करने की प्रक्रिया स्पष्ट, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसके लिए हर विभाग और विषय में उपलब्ध वास्तविक शोध पर्यवेक्षण क्षमता का सही आकलन जरूरी है।

राज्यपाल ने एलएनएमयू में पीएच०डी० सीटों एवं शोध पर्यवेक्षण क्षमता का व्यापक ऑडिट कराने का निदेश दिया। उन्होंने सभी पहलुओं की व्यवस्थित समीक्षा के लिए पीएच०डी०. ऑडिट समिति गठित करने तथा समिति को 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

ऑडिट समिति यह भी जाँच करेगी कि पीएच०डी० प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञापित सीटें विभिन्न विषयों में उपलब्ध वास्तविक शोध पर्यवेक्षण क्षमता के अनुरूप हैं अथवा नहीं तथा पीएच०डी० प्रवेश प्रक्रिया लागू नियमों, विनियमों एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित की जा रही है अथवा नहीं।

कुलपति ने विश्वविद्यालय में पीएच०डी० प्रवेश एवं शोध पर्यवेक्षण की वर्तमान स्थिति से राज्यपाल को अवगत कराया तथा आश्वस्त किया कि ऑडिट समिति के निष्कर्षों एवं कुलाधिपति के आगामी निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

....